Give a description of Panchatantra's translations in different languages of the world.

अथवा

विश्व-साहित्य में पंञ्चतन्त्र के महत्व को बताइए।

Describe the significance of Panchatantra in world-literature.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखें।

Write short-notes on any of three (6 x 3 = 18)

(i) संवाद-सूक्त (Samvāda Sūkta)

(ii) गाथा -नाराशंसी (Gāthā nārās'aṁsī)

(iii) बृहत्कथा (Bṛhatkathā)

(iv) कथासत्र (Kathāsatra)

(v) शुकसप्तति (S'ukasaptati)

(vi) नचिकेता आख्यान (Naciketā Ākhyāna)

(vii) अंकोरवाट (Angkor Wat)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4861 **J**

Unique Paper Code : 2135001004

Name of the Paper : Sanskrit Narratology

Name of the Course : Common Prog. Group, UGCF

Semester : IV, GE

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answer all questions.
3. Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3. अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों के उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1- संस्कृत जन्तुकथाओं के उद्भव और विकास का वर्णन कीजिए। (18)

Describe the origin and development of Sanskrit fables.

अथवा

संस्कृत आख्यानों के उत्पत्ति और विकास में इतिहास - पुराण परम्परा के योगदान का विश्लेषण करें।

Analyze the contribution of Itihāsa-purāna tradition in origin and development of Sanskrit narratives.

2. संस्कृत आख्यानों की किन्हीं चार विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। (18)

Explain any four distinctive features of Sanskrit narratives.

अथवा

आधयात्मिक प्रयोजन की दृष्टि से संस्कृत आख्यानों की महत्ता पर प्रकाश डालिए।

Throw light upon the significance of Sanskrit narratives from the point of view of spiritual purpose.

3. संस्कृत आख्यान के माधयम के रुप में नृत्यकला, चित्रकला व मूर्तिकला की विशेषताओं को बताइए। (18)

Describe the role of dance, painting and sculpture as a medium of Sanskrit narratives

अथवा

कथावाचकों के सामाजिक वर्ग के रुप में कुशीलव, चारण एवं सूत वर्ग की भूमिका का वर्णन कीजिए।

Describe the role of Kus'īlava, Caraṇa and Sūta class as a social-class of storytellers.

4. विश्व की विभिन्न भाषाओं में हुए पञ्चतन्त्र के अनुवाद का विवरण दीजिए। (18)